[कुमारी सरोज खापर्डे]

दलितों, आदिवासियों और कमजोर वर्गों के इलाकों से शराब की दुकानें फौरन हटाएं और इस वर्ग के बच्चों और महिलाओं को बरबादी से बचाकर एक अच्छा जीवन व्यतीत करने का अवसर प्रदान करें । मेरा ऐसा विश्वास है कि यह सही मायने में बाबा साहेब अंबेदकर के प्रति श्रद्धांजलि होगी, सही मायने में इन दलितों और गरीबों को ऊपर उठाने का प्रयास होगा । इन शब्दों के साथ मुझे आपने जो अनुमति प्रदान की, उसके लिए धन्यवाद ।

Reg. harassment caused to members by Security Personnel

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन, मैं एक गंभीर विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR) : We are in the midst of special mentions.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : श्रीमन, मैंने चेयरमैन साहब को भी लिखकर दिया है । **प्रधान मंत्री** की सुरक्षा के नाम पर जिस प्रकार से सुरक्षा कर्मचारी काम कर रहे हैं, उस में मेरे लिए संसद सदस्य के रूप में काम करना मुश्किल हो गया है । कल एक बजकर 25 मिनट पर . . . (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR) : I think the subject is being examined by the Privileges Committee.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA : That is not the point. That will be examined and then I will receive a letter from the Chairman with permission has not been granted.

मैं यह निवेदन कर रहा हूं कि इस विषय को साल्वे जी ने भी उठाया । कल एक बजकर 25 मिनट पर मैं एनेक्सी से अपनी कार में आ रहा था, मुझे सड़क पर रोक दिया गया । मैंने उनको कार पार्क का लेबल भी दिखाया और बताया कि मुझे संसद के अंदर जाना है तो उन्होंने कहा कि मैं आपको नहीं जाने दूंगा । मेरा निवेदन है कि इस प्रकार से जब संसद सदस्यों के प्रति संसद के घेरे के अंदर व्यवहार होगा तो हम संसद सदस्य के रूप में काम नहीं कर पाएंगे। मैंने विशेषाधिकार का मामला भी दिया है। दस मिनट तक मुझे वहां रोका गया । मुझे पता था कि कल डेढ़ बजे प्रसार भारती बिल पर वोटिंग होनी थी, लेकिन मुझे फिर भी रोक दिया गया । मेरा निवेदन है कि इस संबंध में स्पष्ट निर्देश सुरक्षा कर्मचारियों को दिए जाने चाहिए ।

कुमारी सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : हमें तो आधा-आधा घंटे रोका जाता है, आपको तो 10 मिनट ही रोका गया ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : गाड़ियां सड़क पर रोकने का जो अधिकार है, सुरक्षा कर्मचारी इसमें अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे हैं, वे इनका दुरुपयोग कर रहे हैं। इसलिए उनको इसके लिए उचित निर्देश दिए जाएं ताकि संसद सदस्य अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें । मैंने नोटिस दिया है कि जो सुरक्षा कर्मचारी हैं, जो अधिकारी हैं, उनके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाए ।

श्री कपिल वर्मा (उत्तर प्रदेश) : महोदय

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR) : Do you want to support him?

श्री कपिल वर्मा : संसद का सदस्य जब कि संसद की बैठक हो रही हो, उसको अटैंड करने आ रहा हो तो उसको रास्ते में जो भी रोकता है, बाधा उत्पन्न करता है, जो भी आब्स्ट्रक्शन उत्पन्न करता है, वह मेज पार्लियामेन्ट्री पैक्टिस और ला आफ प्रिविलेजेज के अनसार दण्डनीय है ।

According to the May's Parliamentary Practice and the law of privileges, if an obstruction is created in the way of a hon. Member of the House, who is com-

ing 'to the House to attend the House to perform his duties, it is a clear case of breach of privilege. There can be no bigger breach of privilege than this. Even if the Prime Minister is coming to the House and if a Member is coming to the House and he is obstructed by any person, then, that person is guilty of breach of j privilege. I have also had the experience! of police stopping me from coming in when the Prime Minister comes. Sir, the roads cannot be closed to M.Ps coming to: House. The other day also the Prime Minister said, "I was coming from this side. Why was the other side closed?" If a Member is coming to the House, he cannot be stopped.

श्री अटल बिहारी वाजपयी (मध्य प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, संसद के सदस्यों के विशेषाधिकार हैं। उन विशेषाधिकारों का पालन होना चाहिए । लेकिन देश की परिस्थिति के कारण कुछ सुरक्षा के प्रबन्ध किए गये हैं, सुरक्षा के प्रबन्ध बढ़ाये भी गये हैं। जो प्रबन्ध पहले से चल रहे हैं वे हटाये नहीं गये, वे अभी भी चल रहे हैं। शायद जो प्रबन्ध करते हैं उनकी दृष्टि में सुरक्षा के लिए अभी भी खतरा बना हुआ है । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या संसद के सदस्य यह अधिकार चाहते हैं कि अगर सड़क सब के लिए बंद की गयी है तो केवल उनकी गाड़ी जाने दी जाए । मैं ऐसा अधिकार नहीं चाहता । **(व्यवधान)**

श्री कपिल वर्मा : सदस्य अगर सदन में आ रहे हैं तो बीच में नहीं रोका जा सकता । **(व्यवधान)**

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदय, अगर संसद सदस्य आ रहा है . . .

श्री कपिल वर्मा : हाउस्स अटैंड करने आ रहा है . . .

वित्त मंत्री (प्रो. मधु दण्डवते) : हम तो बीस साल से रोके गये हैं । **(व्यवधान)**

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर गाड़ी से आ रहा है और गाड़ी रोक दी जाती है तो उसे पैदल आने से कोई नहीं रोकता । मगर गाड़ी में आपके साथ कोई और आ सकता है । आपके, पार्लियामेंट . . . . **(व्यवधान)**. . . के मैम्बरों को कार के लिए पास है । उनको लगा कर भी कोई और आ सकता है इसलिए मेरा निवेदन है कि विशेषाधिकार और सुरक्षा इन दोनों में मेल बैठाना पड़ेगा । लेकिन संसद सदस्यों का यह अधिकार नहीं हो सकता कि सब के लिए सड़क बंद है और केवल वे संसद में आ रहे हैं। संसद सदस्य कभी-कभी अकेला नहीं आता, उनके साथ और भी आते हैं । वे गाड़ी छोड़ कर पैदल आयेंगे तो कोई नहीं रोकेगा । **(व्यवधान)**

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : वाजपेयी जी आपको जानकारी नहीं है . . .

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मुझे मालूम है, मैं भी रोका जाता हूं । **(व्यवधान)**

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मैंने यह कभी नहीं कहा, मैंने लिख कर भी दिया है। मैंने कहा कि इस देश के पूर्व प्रधान मंत्री की हत्या सुरक्षा कर्मचारियों ने प्रधान मंत्री के घर पर की । **(व्यवधान)** मैंने यह कहा कि प्रधान मंत्री की सुरक्षा के नाम पर सुरक्षा कर्मचारी अपने अधिकार और अपने कर्तव्य का दुरुपयोग कर रहे हैं । पार्लियामेंट अनेक्सी के सामने तालकटोरा रोड पर जहां से मैं बाहर निकल रहा हूं वहां पर दस मिनट तक मुझे रोकने का किसी सुरक्षा अधिकारी को अधिकार नहीं है । **(व्यवधान)** मैं यह कहता हूं कि प्रधान मंत्री की सुरक्षा होनी चाहिए । उन्होंने लाल किले से भाषण दिया था तो लोगों ने कहा था यह ऐसा प्रधान मंत्री है जो आधे शीशे के केस में खड़े होकर सारे देश से इस बात का अनुरोध कर रहा है कि निर्भीक हो कर, निर्भय हो कर हमारी बात को सुनिए । हमने देखा है कि पूरे शीशे के एक तरफ एक कमाण्डो खड़ा है और दूसरी तरफ दूसरा कमाण्डो खड़ा है। **(व्यवधान)**

*[श्री सत्य प्रकाश मालवीय]

वाजपेयी जी का भाषण सुना है । **(व्यवधान)**

श्री विठ्ठलभाई मोतीराम पटेल (गुजरात) : मैं आज की बात कह रहा हूं कि विजय चौक से आने का जो दरवाजा है वहां पर सेक्योरिटी वालों ने रोक दिया, मैं भी था उसमें । उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री आ रहे हैं इसलिए हमने रास्ता बंद किया है। मैंने कहा ठीक है । वास्तव में प्रधान मंत्री उस रास्ते से आये नहीं । मेरा कहना है कि सेक्योरिटी वालों को इतना तो पता होना चाहिए कि प्रधान मंत्री कौन से रास्ते से जाने वाले हैं । प्रधान मंत्री उस रास्ते से नहीं आये, दूसरे रास्ते से आये । खाली हमें 15-20 मिनट तक उन्होंने रोके रखा । सेक्योरिटी वालों को इतना तो पता होना चाहिए कि प्रधान मंत्री कौन से रास्ते से आने वाले हैं और उसके बाद एक्शन लेना चाहिए। **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद उर्फ मीम अफजल (उत्तर-प्रदेश) : मैं आपकी तवज्जो इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि वाजपेयी जी ने एक बात कही बहुत सही बात है । लेकिन यहां सवाल यह नहीं उठाया जा रहा है कि संसद के लोगों को आने से रोका या प्रधान मंत्री की सेक्योरिटी में हम लोग कोई बाधा डालना चाहते हैं । बुनियादी बात यह है कि हम उस रवैये की मजम्मत करते हैं जो सेक्योरिटी के नाम पर सेक्योरिटी के लोग करते हैं । मैं आपको मिसाल देता हूं कि इस हाउस के अंदर, मेरे साथ जो बिहेवीयर आन्ध्र-प्रदेश भवन के अन्दर हुआ था, यूनेनिमसली यह पास हुआ था कि प्रिविलेज कमेटी को मामला दे दिया जाए । यहां यह बात कही गयी उस तरफ से और इस तरफ से, मुझे खुशी है वाजपेयी जी ने खड़े होकर यह बात कही थी कि इस मामले की जांच होनी चाहिए। और फौरी तौर पर एक्शन लिया जाना चाहिए। यहां सब लोगों ने डिमाण्ड की थी कि प्रिविलेजेज कमेटी एक हफ्ते के अन्दर उन अफसरान से पूछताछ करे और उन पर एक्शन ले । आज इस बात को 10-12 दिन हो चुके हैं, लेकिन आज तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है । मैं समझता हूं कि जब कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा तो इससे भी ज्यादा बुरी हालत होगी । सवाल यह नहीं है कि हम प्राइम मिनिस्टर की सेक्योरिटी में कोई बाधा डालने चाहते हैं । बात यह है कि ये जो रवैया अपनाते हैं वह इंतिहाई खराब है और जो रवैया अपना रखा है, उसकी कई लोग शिकायत कर चुके हैं ।

[ ] اشری بحمد افضل عرف م افضل میں آپ کی توجہہ اس طرف دلانا چاہتا ہوں کہ باجپئی جي نے ایک بات کہی بہت صحیح بات ہے - لیکن یہاں سوال یہ نہیں اٹھایا جارہا ہے کہ سنسد کے لوگوں کو آنے سے روکا گیا یا پردھان منتری کی سکیورٹی میں ہم لوگ کوئی باندھا ڈالنا چاہتے ہیں - بنیادی بات یہ ہے کہ ہم اس رویئے کی مذمت کرتے ہیں جو سکیورٹي کے نام پر سکیورٹي کے لوگ کرتے ہیں- میں آپ کو مثال دیتا ہوں کہ اس ہاؤس کے اندر میرے ساتھ جو بیہیور اندھرا پردیش بھون کے اندر ہوا تھا یونیمس مسلہ یہ پاس ہوا تھا کہ سری پریوِلیج کمیٹي کو معاملہ بھیج دیا جائے - یہاں بات کہی گئي اس طرف سے اور اس طرف سے مجھے خوشي ہے باجپئی جي نے کھڑے ہوکر یہ بات کہی کہ اس معاملے کی جانچ ہونی چاہئے اور فوري طور پر ایکشن لیا جانا چاہئے -

[ ] Translation in Arabic Script.

یہاں لوگ سب لوگوں نے ڈمانڈ کی تھی کہ پوری ولیج کمیٹی ایک ہفتہ کے اندر ان افسران سے پوچھ تاچھ کرے اور ان پر ایکشن لے - آج اس بات کو دس بارہ دن ہوچکے ہیں لیکن آج تک کوئی ایکشن نہیں لیا گیا ہے - میں سمجھتا ہوں کہ جب کوئی ایکشن نہیں لیا جائے گا تو اس سے بھی زیادہ بری حالت ہوگی - سوال یہ نہیں ہے کہ ہم پولیس مسٹم کی سپورٹ میں کوئی ڈیفنڈ کرنا چاہتے ہیں - بات یہ ہے کہ یہ جو رویہ اپنایا جاتا ہیں وہ انتہائی خراب ہے اور جو رویہ اپنایا گیا ہے اسکو لوگ شکایت کر چکے ہیں -]

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR) : Now, let us stop this subject. The hon. Minister is here and he has heard the views of the Members. They are surely agitated and surely so.

SHRI KAPIL VERMA : Let him react.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR) : I can only request the Government to find out the balance between the feelings of the Members and what Mr. Vajpayee has said with regard to the question of security. Really sometimes in the name of security there are some excesses. It does happen and some of the cases are being examined by the Privilegs Committee. . .. *{Interruptions)* .. That is what the Chair can do.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : सवाल यह है कि आपने प्रिविलेजेज कमेटी को दे दिया । क्या कभी कोई मीटिंग हुई है ?

[श्री محمد افضل عرف بھیم افضل : سوال یہ ہے کہ آپ نے پریویلیجز کمیٹی کو دے دیا - کیا کبھی کوئی میٹنگ ہوئی ہے -]

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR) : Now we proceed to Special Mentions.

श्री सिकन्दर बख्त (मध्य प्रदेश) : सदर साहब, मैं यह अर्ज करूंगा कि प्रिविलेजेज, कमेटी के सामने वे मामलात चले गए हैं । कल दोपहर को उसकी मीटिंग होने वाली थी, लेकिन हाउस के कारोबार की वजह से नहीं हुई । अब कल को मीटिंग होगी ।

[श्री سکندر بخت : صدر صاحب میں یہ عرض کروں گا کہ پری ولیج کمیٹی کے سامنے وہ معاملات چلے گئے ہیں - کل دوپہر کو اسکی میٹنگ ہونے والی تھی لیکن ہاؤس کے کاروبار کی وجہ سے نہیں ہوئی اب کل کو میٹنگ ہوگی -]

उपसभाध्यक्ष (श्री भास्कर अन्नाजी मासोद-

I Now Special Mentions. Shri Gaj Singh No. here, Kumari Alia.

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : महोदय, यह मामला गंभीर है। मुझे भी रोका गया है और एनेक्सी में रोका गया । मैंने चेयरमैन साहब को लिखकर दिया है । मुझे एनेक्सी से बाहर नहीं निकलने दिया गया । मैं पैदल थी, मेरे पास गाड़ी भी नहीं थी । मैंने प्रधान मंत्री जी से भी इसकी शिकायत की थी ।

[ ] Translation in Arabic script.